भा.वा.अ.शि.प-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान में "राजभाषा के प्रयोग में व्यावहारिक समस्याएं एवं समाधान" विषय पर आयोजित हिन्दी कार्यशाला का रिपोर्ट

22.01.2024

भा.वा.अ.शि.प-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर में राजभाषा के कार्यान्वयन में प्रगति पाने के लिये प्रतिवर्ष अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में 22 जनवरी 2024 को इस संस्थान में "राजभाषा के प्रयोग में व्यावहारिक समस्याएं एवं समाधान" विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने कार्यशाला में उपस्थित सभी सहभागियों का अभिनंदन एवं स्वागत करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया। इस विषय पर चर्चा करने के लिये डॉ.रमेश बाबु दर्शि, वरिष्ठ प्रबन्धक (राजभाषा), बैंक ऑफ बड़ौदा, कोयम्बत्तूर को मुख्य अथिति के रूप में आमंत्रित किया गया था।

सर्वप्रथम श्रीमती आर.जी.अनीता, तकनीकी अधिकारी ने मुख्य अथिति एवं सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। उसके बाद इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए आए हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपना स्व परिचय देकर इस कार्यशाला को आगे बढ़ाया। संस्थान के निदेशक डॉ.सि.कुञ्जिकण्णन महोदय जी ने हिन्दी कार्यशाला आयोजित करने के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी राजभाषा है और सरकारी कर्मचारी होने के नाते राजभाषा विभाग के द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पाने के लिए सभी को दिन-प्रति-दिन के कार्य में हिन्दी का प्रयोग करना चाहिये। आगे अपने अनुभव द्वारा जीवन में हिन्दी सीखने के महत्व को विस्तार से बताया। कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्रतिदिन के कार्य में राजभाषा का प्रयोग करने का अनुरोध किया।

मुख्य अथिति डॉ. रमेश बाबु दर्शि, वरिष्ठ प्रबन्धक (राजभाषा), बैंक ऑफ बड़ौदा, कोयम्बत्तूर ने कार्यशाला को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा में अंतर एवं राजभाषा के नियम और लक्ष्यों पर प्रकाश डालते हुए कार्यशाला में उपस्थित सभी कर्मचारियों से प्रतिदिन के कार्य में राजभाषा प्रयोग में होने वाली व्यवहारिक समस्याओं के बारे में चर्चा

की। आगे कहा कि तमिलनाडु जैसे अहिन्दी क्षेत्र में हिन्दी का प्रयोग करना कठिन है लेकिन कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती है इसलिए राजभाषा का प्रयोग करने की कोशिश सभी को करना चाहिए और राजभाषा विभाग द्वारा दिये गये लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना सहयोग देना चाहिए। राजभाषा के प्रयोग को सरल बनाने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा विकसित लीला प्रवाह एप का उपयोग कर सकते है। मुख्य अथिति ने सभी के द्वारा उठाये गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए सभी के समस्याओं का समाधान किया। इस कार्यशाला में करीब 20 कर्मचारियों ने भाग लिया।

यह कार्यशाला सभी को उपयोगी रहा। अंत में श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने सभी को धन्यवाद देते हुए इस कार्यशाला को सम्पन्न किया।

कार्यशाला के कुछ चित्र